विश्व मृदा दिवस

आज दिनाँक 05-12-2022 को कृषि विज्ञान केंद्र भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज़्ज़तनगर, बरेली एवं जिओलाइफ नामक संस्थान के संयोजन से विश्व मृदा दिवस ग्राम रीछोला ताराचंद, ब्लाक नवाबगंज में आयोजित किया गया । जियोलाइफ कंपनी के ज़ोनल प्रबन्धक श्री पी एस पटेल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कृषको का स्वागत आभार व्यक्त किया । अपने कंपनी के विभिन्न जैविक, रासायनिक आदि उत्पादो की जानकारी कृषको के साथ साझा की और साथ ही कृषको को फसलों से संबन्धित सभी समस्याओ के उपचार बताए ।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के बागवानी विशेषज्ञ रंजीत सिंह ने कृषको को मृदा की कमजोरी व पोषक तत्वो की कमी से होने वाले रोग से मनुष्य ग्रसित है इस समस्या पर प्रकाश डाला । आपने कृषको को संदेश दिया की मृदा को सभी पोषक तत्व प्रदान करे जो एक फसल को अपने जीवनकाल में आवश्यक है । पौधे को अपने जीवनकाल में 17 पोषक तत्व की आवश्यकता होती है जिनमे 3 प्रकृति द्वारा पौधे को मिल जाते है शेष कृषको को खेत में लगाने चाहिए । कृषि विज्ञान केंद्र की श्रीमती वाणी यादव ने मृदा स्वास्थ्य से संबन्धित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर चर्चा की । कृषको को मृदा के गिरते हुए जैविक कार्बन के प्रतिशत को लेकर सचेत रहने की जानकारी दी और साथ ही हरी खाद, देसी खाद व वर्मीकम्पोस्ट जैसे विकल्प को अपनाने का आग्रह किया । मृदा की जांच का महत्त्व व मृदा जांच परिणाम के उपयोग से होने वाले उर्वरक प्रयोग के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी गयी । इस कार्यक्रम में 55 कृषको ने सहभागिता दर्ज की ।